विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत व्याकरण 14 जुलाई 2020

वर्ग अष्टम राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

व्यञ्जन - सन्धि

5. वा पदान्तस्य – यदि 'म' बाद कोई स्पर्श वर्ण आये तो 'म्' का अनुस्वार हो जाता है या बाद वाले का पंचम वर्ण हो जाते है। जैसे –

अहम् + कारः = अहंकारः, अहङ्कारः

सम् + गमः = संगमः, सङ्गमः

6. झयो होऽन्यतरस्याम् – यदि वर्ग के प्रथम वर्ण के बाद 'ह' अं आये तो वह पूर्ववर्ण के वर्ग का चतुर्थ वर्ण और पूर्व तृतीया वर्ण हो जाता है।

जैसे – वाक् + हरिः = वाग्धरिः

तत् + हितः = तद्धितः

7. धे च। पदान्ताद्धा – हस्व - स्वर के बाद 'धे' हो तो 'ध' के पहले तुक् (त्) का आगम होता है। फिर 'श्चुत्वा' के नियम् से 'त' के स्थान में 'च्' होता है। दीर्घ - स्वर रहने पर यह विकल्प से होता है।

जैसे - परि + धेदः = परिच्छेदः , वि + धेदः = विच्धेदः